समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

भारत का नया आध्यात्मिक डेस्टिनेशन — णमोकार तीर्थ

Publisher

Published on 19 Jul 2025

भारत के नासिक (महाराष्ट्र) जिले में स्थित “णमोकार तीर्थ” (Namokar Tirtha) आधुनिकता और आध्यात्म का अनुपम संगम प्रस्तुत करता है। यह तीर्थ स्थल जैनाचार्य प्रज्ञाश्रमण सारस्वताचार्य श्री 108 आचार्य श्री देवनन्दि गुरुदेव के दिव्य दृष्टि का परिणाम है, जिसके पीछे गणाधिपति श्री कुंथुसागरजी गुरुदेव की कृपा एवं मार्गदर्शन है।

?? आध्यात्मिक-शैक्षिक केंद्र: जैन नॉलेज सिटी

णमोकार तीर्थ, जिसे “Jain Knowledge City” के नाम से भी जाना जाता है, एक व्यापक सामाजिक-आध्यात्मिक केंद्र है। यहाँ जैन कथायें, धार्मिक ग्रंथ, मंत्र, प्रवचन आदि का संगठित संग्रह उपलब्ध है, जिससे आत्मिक उन्नति के शिखर तक पहुँच संभव है

? संरचना और वैश्विक महत्त्व

- यह तीर्थ नव-निर्माणाधीन है तथा 2026 तक पंच कल्याणक प्रतिष्ठा सहित पूर्ण होने की योजना है।
- यहाँ तांत्रिक धातुओं, रत्नों और पारंपरिक जैन स्थापत्य कला का उत्कृष्ट संयोग देखा जा सकता है।
- समावशरण परिसर में तीरथंकर संरचना और गहनों से सुसज्जित प्रतिमाओं का अनूठा संग्रह होगा।

? णमोकार मंत्र एवं पंच परमेष्ठी

नमो अरिहंताणं ... — यह महान मंत्र पंच परमेष्ठियों (अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु) को समर्पित है और इसे सर्वश्रेष्ठ मंगल माना जाता है।
“णमोकार मंत्र” को जैन धर्म का महामंत्र कहा जाता है — सभी प्रकार के पापों का नाश करने वाला और सर्व मंगलों में सर्वप्रथम माना गया श्रेष्ठ मंत्र।

? आयुर्वेदिक अस्पताल एवं प्राकृतिक चिकित्सा

तीर्थ परिसर में एक आयुर्वेदिक अस्पताल भी व्यवस्थित है जिसमें आधुनिक चिकित्सा, वन औषधि, प्राकृतिक चिकित्सा और नर्सिंग सुविधाएँ एक साथ उपलब्ध होंगी।
यह जगह स्वास्थ्य और आत्मिक समन्वय का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

? संपर्क एवं जानकारी

णमोकार तीर्थ, मालसेन, तालुका चंदवाड़, जिला नासिक, महाराष्ट्र (9404006108) — एक ऐसा तीर्थ स्थल जो देश-विदेश में शांतिप्रिय आत्माओं को आकर आत्मवलोकन का अवसर प्रदान करता है।

? विशेष आकर्षण

आकर्षण	विवरण
गुरुदेव की दिव्य दृष्टि	आचार्य देवनन्दि गुरुदेव की स्वप्नदृष्टि से प्रेरित यह तीर्थ अनादि काल तक स्थायी रहेगा।
पंचकल्याणक योजना	इस तीर्थ में पंच कल्याणक — जन्म, दीक्षा, ज्यान, निर्वाण — का आयोजन भविष्य में उत्सव रूप में होगा।
भव्य समावशरण	रत्न युक्त भव्य तीर्थंकर प्रतिमा और ऋषि साधु संगम का दृश्य — भक्तों को आध्यात्मिक उत्थान का अनुभव कराएगा।
शिक्षा और स्वास्थ्य का संगम	यहां आध्यात्मिक शिक्षण (ग्रंथ, प्रवचन) एवं स्वास्थ्य के समग्र साधन (आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा) का उत्तम मिश्रण है।

? निष्कर्ष

णमोकार तीर्थ सिर्फ एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक सजीव, विकसित और आत्म–चेतना जागृत करने वाला “ज्ञान–स्थल” है। जहाँ भक्त आधुनिक सुविधाओं के साथ सूक्ष्म जैन दर्शन, चिकित्सा और अध्यात्म का अनुभव पा सकते हैं। यह तीर्थ आत्मा और शरीर दोनों के उत्थान हेतु निर्मित विशेष केंद्र है।

यदि आप आध्यात्मिक अध्ययन, स्वास्थ्य देखभाल और शांति से जुड़ी यात्रा की योजना बना रहे हैं तो **णमोकार तीर्थ** आपके लिए एक प्रेरणास्त्रोत और मार्गदर्शक सिद्ध हो सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.